आज समाज 27/09/2025

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का संतुलित विकास करना हैं : अजय अग्रवाल

- गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज में विश्व शांति दिवस के अवसर पर शांति का संदेश नामक वीडियो प्रस्तुति का सफल आयोजन

आज समाज नेटवर्क

अंबाला। गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज, अंबाला छावनी में एन.एस.एस. सेल्स के तत्वावधान में विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शांति का संदेश विषय पर एक प्रेरणादायी वीडियो प्रस्तुति का आयोजन किया गया, जिसे राज विद्या केंद्र के सहयोग से प्रस्तुत किया गया। जिसमें गुलजार सिंह, हिमांशु चौहान, अनिल कुमार तथा बलराम धीमान वलियन्टर के तौर पर शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने किया। उन्होंने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि आज के युग में जब जीवन की गति तीव्र हो गई है और तनाव हर स्तर पर हावी है, ऐसे में आंतरिक शांति का महत्व और भी बढ़ जाता है। वीडियो प्रस्तुति अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वक्ता श्री प्रेम रावत के विचारों पर आधारित रही। श्री रावत ने अपने संदेश में इस बात पर बल दिया कि सच्ची शांति बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि भीतर की सजगता, आत्मज्ञान और संतुलन से प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति अपने भीतर शांति का अनुभव कर ले, तो समाज और राष्ट्र में स्वतः शांति स्थापित हो सकती है। प्रस्तुति के दौरान विद्यार्थियों ने ध्यानपूर्वक संदेश को सुना और महसूस किया कि यह केवल सैद्धांतिक बातें नहीं, बल्कि जीवन में अपनाए जाने योग्य व्यावहारिक मूल्य हैं। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि प्रेम रावत का संदेश विशेष रूप से युवाओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने विद्यार्थियों को आह्वान किया कि वे सहिष्णुता, करुणा और मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें और समाज को सकारात्मक दिशा देने में सहयोग करें। कॉलेज के जनरल सेक्रेटरी अजय अग्रवाल ने आयोजन के लिए कॉलेज एनएसएस टीम की सराहना की. उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का संतुलित विकास करना है, जिसमें शांति और मानवीय संवेदनाएँ विशेष स्थान रखती हैं। इस अवसर पर एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. पिंकी गुप्ता एवं डॉ. चंद्रपाल पूनिया ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि एन.एस.एस. केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग और शांति की जीवंत पाठशाला है। इस कार्यक्रम में एन.एस.एस. के नए सदस्य श्याम रहेजा, गीती बिंद्रा, हर्षिता तथा राजिन्दर मीरवाल ने भी सक्रिय रूप से योगदान दिया।